

3



योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 3 के अंक

=



कुल अंक



उत्तर - (21)

(1) द्वितीय विश्व युद्ध के चार दोष -
हिंसा जो प्रोत्साहन :-

द्वितीय विश्व युद्ध के चार दोषों में से पहला यह है कि इसमें हिंसा जो प्रोत्साहन मिलता है लोगों को वे गलत तरीकों से अपने हितों को पूरा करने की कोशिश करते हैं।

(2) राष्ट्रीय हितों की उपेक्षा :-

द्वितीय विश्व युद्ध के दूसरे दोष यह है कि इसमें राष्ट्रीय हितों की उपेक्षा की जाती है। स्वार्थी गत हितों की पूर्ति के लिए राष्ट्रीय हितों की उपेक्षा कर दी जाती है।

(3) हितों की समझना असंवेधानिक तरीकों से :-

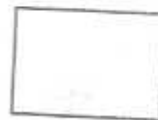
द्वितीय विश्व युद्ध के तीसरे दोष यह है कि इसमें हितों की समझना असंवेधानिक तरीकों से होता है। गलत तरीकों से अपने हितों की रक्षा करने के लिए हिंसा को प्रोत्साहन दिया जाता है।

4



योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 4 के अंक

=



कुल अंक



④ लोकतंत्र के आधार :-

होता व दबाव समूह लोकतंत्र के आधार होते हैं। यह विभिन्न प्रकार से अपने व्यक्तिगत हितों की पूर्ति करते हैं जिससे राष्ट्रीय हितों की उपेक्षा की जाती है।

उत्तर - (22)

प्रत्यक्ष मतदान पणाली के चार दोष :-

① शुष्काचार की संभावना :-

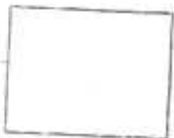
प्रत्यक्ष निर्वाचन पणाली में शुष्काचार की संभावना रहती है। क्योंकि निर्वाचन में प्रतिनिधि भ्रामक प्रचार से जनता को त्रुटिरहित करते हैं। जिससे शुष्काचार की संभावना रहती है।

② मतदाताओं के हितों की उपेक्षा :-

प्रत्यक्ष निर्वाचन पणाली में मतदाताओं के हितों की उपेक्षा

B
S
E
M
P

पृष्ठ :



पृष्ठ के अंकों का योग

5



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 5 के अंक

कुल अंक



की जाती हैं। इसलिये यह प्रणाली अच्छी नहीं मानी जाती है। निर्वाचन क्षेत्र बड़ा रहता है। इसलिये मतदाताओं की उपेक्षा की जाती है।

(3) दान का अधिक व्याप :-

किस मतदान प्रणाली में दान का व्याप अधिक होता है इसमें यह दोष है कि प्रतिनिधि अधिक होने से दान अधिक व्याप करते हैं जिससे इसमें दोष है जो इसी दोष की विशेषता है।

(4) जन भावनाओं के अनुकूल नहीं :-

प्रत्यक्ष निर्वाचन प्रणाली में जनता के अनुकूल प्रतिनिधि नहीं चुने जाते। निर्वाचन क्षेत्र अधिक होने के कारण यह प्रणाली जन भावनाओं के अनुकूल नहीं है जो इसका दोष है।

9

+

=

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 9 के अंक

कुल अंक



उत्तर 3 (23)

(राजनीति दल)

(हित समूह)

B
S
E
M
P

① राजनीति दल का संगठन सुदृढ़ होता है। संगठित रहता है।

① हित समूह का संगठन व्यवस्थित नहीं रहता।

② राजनीति दल के उद्देश्य व्यापक होते हैं।

② हित समूह के उद्देश्य सीमित होते हैं।

③ राजनीति दलों का कार्य क्षेत्र व्यापक होता है।

③ हित समूह का कार्य क्षेत्र सीमित रहता है।

④ राजनीति दल सत्ता के प्राप्त करने का प्रयास करते हैं।

④ हित समूह का उद्देश्य सत्ता के प्राप्त करना नहीं होता।

⑤ राजनीति दल सत्ता का शासन को चलाते हैं।

⑤ हित समूह सत्ता का शासन नहीं चलाते।

पृष्ठ 9 के

पृष्ठ 9 के अंकों का योग

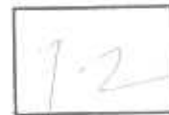
7



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 7 के अंक

कुल अंक



उत्तर 3 (24)

संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्य उद्देश्य :-

- ① अंतर्राष्ट्रीय शांति व सुरक्षा बनाये रखना।
- ② राष्ट्रों के विवादों को आपसी समझौते व शांति पूर्वक, समझौतों के जरिये निपटाना।
- ③ विश्व की विभिन्न समस्याओं, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं मानवतावादी समस्याओं का निराकरण करना।
- ④ विभिन्न राष्ट्रों को आत्मनिर्णय एवं समानता के सिद्धांत पर आपसी संबंधों को बढ़ावा देना।
- ⑤ भावी पीढ़ी को युद्ध की विभीषिका से बचना।
- ⑥ पर्यावरण की रक्षा करना।
- ⑦ शांति को स्थापित करना।

B.
S.
E.
M.
P.

पृष्ठ के अंकों का योग

8



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 8 के अंक

कुल अंक



उत्तर ३ (२६)

"संविधानिक उपचारों का अधिकार संविधान की हृदय व भावना है।"
क्यों कि इसी अधिकार से करिये हम अपनी विभिन्न अधिकारों की रक्षा करते हैं।
संविधानिक उपचार का अधिकार से न्यायालय निम्न आदेश जारी कर सकता है—

① बन्दी प्रत्यक्षीकरण :-

इसके अंतर्गत यह आदेश उक्त दशा में जारी किया जाता है जब उच्चतम न्यायालय किसी भी व्यक्ति को जिस आधार पर बन्दी बनाया गया है। यदि बन्दी बनाना गलत है तो न्यायालय उसे रिहा कर सकता है।

② परमादेश :-

यह आदेश उक्त दशा में जारी कर सकता है जब कोई सरकार या संस्था अपने अधिकार का विरुद्ध किसी तरह से वा करता रहा हो और मनुष्य के अधिकारों का हनन हो रहा हो।

B
S
E
M
P



पृष्ठ के अंकों का योग

9



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 9 के अंक

कुल अंक



3) प्रतिषेध :-

इसके अंतर्गत यह आदेश अब जारी किया जाता है जो कि न्यायालय द्वारा जो कार्य ऐसे में अंतर्गत न आने वाला कार्य किया जा रहा है।

4) उत्प्रेषण :-

इसके अंतर्गत उत्प्रेषण न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के अपने अधिकार न्यायालय से लेनी की वारे में आगमन में लगे रहता है।

5) अधिकार प्रवृत्ति :-

इसके अंतर्गत यदि कोई व्यक्ति गतस तरीके से स्वराज स्वकारी पद ग्रहण कर लेता है तो उसे पदमुक्त किया जाता है।



10

16

+

=

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 10 के अंक

कुल अंक



उत्तर 26

राज्य मानवाधिकार आयोग के उद्देश्यों का उल्लेख निम्न है :-

(1) सरकारी संस्था या संघियान द्वारा सक्षम मौलिक अधिकार के उल्लंघन के शिकारगी पत्रों की जांच करना।

(2) मानव अधिकारों की रक्षा करना। यदि किसी व्यक्ति को लगता है कि उसके मूल अधिकारों का हनन हो रहा है तो वह व्यापारिक की शरण ले सकता है।

(3) मानव अधिकारों की जांचकारी को फैलाया उनके प्रति जागरूक करना।

(4) राज्य की किसी सरकारी संस्था व जेल में रह रहे किसी के व्यक्ति की जीवन दशाओं का कर्म- निरीक्षण करना।

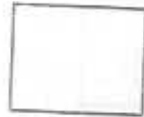
(5) राज्य व जेल सरकार को मानवाधिकार की रक्षा के लिये निर्देश देना व क्रियान्वयन करवाना।

B
S
E
M
P



पृष्ठ के अंक का योग

11



योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 11 को अंक

=



कुल अंक



उत्तर 3(25)

असमानता बोर्कर्स के लिये बाधक हैं।
हमें विभिन्न विवेचन से समझा जा सकता है -

① लोगों में राजनीति जायाँ के प्रति उदासीनता :-

असमानता होने के कारण
अन्य राजनीति जायाँ के प्रति उदासीन होते हैं।
वे अपने उदर धार्ते में लगे रहते हैं। राष्ट्रीय
समस्याओं को नहीं समझ पाते।

② भारित असमता असमानता का प्रभाव :-

समान में भारित
असमानता होने से लोग अपनी दृष्टि जीवन की
आवश्यकताओं की पूर्ति में लगे रहते हैं। मिलने
वह राष्ट्रीय समस्याओं के बारे में नहीं सोच पाते।

③ स्वतंत्रता के स्वप्न होने की संभावना :-



पृष्ठ 11 को अंक

B
S
E
M
P

12



योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 12 के अंक

=



कुल अंक



आपने अलमनता देने से स्वतंत्रता का भी हक
होता है क्योंकि अलमनता की उपस्थिति
में ही स्वतंत्रता की रक्षा होती है।

4) राजनैतिक दलों में भ्रष्टाचार :-

अलमनता देने से
राजनैतिक दल गरीब जनता को जनता प्रयोग
केर उनके मत को खरीद लेते हैं जो लोगों
के हितों धातक है।

क) अलमनता चलों को प्रोत्साहन :-

अलमनता देने से
अलमनता चलों को प्रोत्साहन मिलता है।
जो लोगों को धातक है।

उपस्थित चिन्तन से स्पष्ट होता है कि
अलमनता लोगों में बाधक है।

B
S
E
M
P

पृष्ठ 12



पृष्ठ 12 के अंक का योग

13



योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 13 के अंक

=



कुल अंक



उत्तर → (28) (क्षयका)

भारत-मालदीप संबंध →

भारत ने हमेशा अपने पड़ोसी देशों से अच्छे संबंध बनाने का प्रयत्न किया है। इसी नीति के अंतर्गत भारत ने मालदीप से भी अच्छे संबंध स्थापित करने का प्रयास किया।

① भारत द्वारा मालदीप के ऊपर खदे जा निवारण :-

भारत ने मालदीप के ऊपर भारी खदे जा निवारण किया। मालदीप में तीसरी बार राष्ट्रपति की चुनावी चर्चा रही थी।

उसी समय मालदीप पर माई के सैनिकों ने आक्रमण कर दिया। तो वहाँ के राष्ट्रपति ने भारत से मदद करने की प्रार्थना की।

भारत ने 18 घंटे के अंदर ही अपनी सेनाएं भेज कर सहायता दी और अपने जहाजों से लो लिया।

इस प्रकार भारत व मालदीप के संबंध में सहुरता आई।

14

23

+

=

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 14 के अंक

कुल अंक

8

भारत-मालदीप का समझौता :-

भारत द्वारा सेना मैजिस्ट्रेशन सार्वभौमिकता पर ध्यान डालने के बाद और भी मधुर संबंध हो गये। और एक समझौता हुआ।

B
S
E
M
P

9

सामाजिक सार्वभौमिकता, शिक्षा समझौता :-

भारत व मालदीप के मध्य सामाजिक व शिक्षा से संबंधित एक समझौता हुआ जिसका उद्देश्य शिक्षा को उन्नत करना था।

10

मालदीप के राष्ट्रपति द्वारा भारत-यात्रा :-

मालदीप के राष्ट्रपति भारत यात्रा पर आये और विभिन्न मामलों में समझौते व विचार व्यक्त किया जिससे संबंध में और मधुरता आयी।

11

चिकित्सा संबंधी समझौता :-

15

+

=

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 15 के अंक

कुल अंक



भारत व मालदीव के मध्य एक अन्य समझौता हुआ बिना ईश्वर चिकित्सा के मामले में रोगियों को कुराहा हो सके।

उपर्युक्त विवेचन से ज्ञात होता है कि भारत व मालदीव के संबंध क्या रहे हैं।

उत्तर-(29)

समाजवाद की विशेषतायें निम्न लिखित हैं-

① व्यक्ति की अपेक्षा समाज को अधिक महत्व:-

समाज वादी व्यक्ति की अपेक्षा समाज को अधिक महत्व देते हैं। वह कहते हैं कि समाज से ही उनके अधिकारों की रक्षा होगी।

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंक का योग

16



योग पूर्व पृष्ठ

+



=



पृष्ठ 16 के अंक

कुल अंक



६ प्रतियोगिता का अंत है -

समाजवादी प्रतियोगिता का विरोध करते हैं। वह प्रतियोगिता का अंत करने चाहता है। किता विचार है कि प्रतियोगिता के अंत होने से ही कल्याण होगा।

७ उत्पादन के साधनों पर सार्वजनिक स्वामित्व -

समाजवादियों का मत है कि उत्पादन के साधनों पर सार्वजनिक स्वामित्व होना चाहिए जिससे शक्ति सम्पत्ति की स्थापना हो सके।

८ सकारात्मक अन्धकार के रूप में राज्य की मान्यता -

इस समाजवादी सकारात्मक अन्धकार के रूप में राज्य को मानते हैं। वह समाज को ही उच्च मानते हैं।

९ यूजीवाद का विरोध -

समाजवादी यूजीवाद का विरोध करते हैं। वह यूजीवाद के विरोधी हैं।

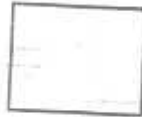
B
S
E
M
P

[
पृष्ठ २



पृष्ठ 16 के अंक का योग

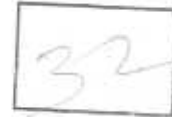
(17)



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 17 के अंक

कुल अंक



(6)

समाजवाद का विरोध :-

समाजवादी समाजवाद विरोध करते हैं। वह पूँजीवाद की तरह समाजवाद को भी विरोध नहीं करते। समाजवाद गलत है।

उत्तर 7 (30)(अथवा)निर्वाचन आयोग :-

(1)

निर्वाचन आयोग का गठन :-

भारत में निर्वाचन आयोग को विसदस्यीय बना दिया गया है। पहले राष्ट्रपति के द्वारा इसे दो सदस्यीय बना गया था। परंतु वर्तमान में विसदस्यीय है।

(8)

निर्वाचन आयोग की नियुक्ति :-

पृष्ठ 17 के अंक

18



योग पूर्व पृष्ठ

+



=



पृष्ठ 18 के अंक

कुल अंक

भारत में निर्वाचन आयोग की नियुक्ति
राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। राष्ट्रीय निर्वाचन
आयोग की नियुक्ति मुख्य निर्वाचन आयोग
के द्वारा की जाती है।

③ निर्वाचन आयोग के सदस्यों का कार्यकाल →

निर्वाचन आयोग की
नियुक्ति 5 वर्ष के लिए की जाती है।
पर 70 वर्ष की अवधि पूरी करने पर
पद मुक्त होना पड़ता है।

B
S
E
M
P

④ पदमुक्ति :-

निर्वाचन आयोग की पदमुक्ति
उसी प्रकार होती है जिस प्रकार सर्वोच्च
न्यायालय के न्यायाधीश को नीति अपनायी
जाती है।

⑤ वेतन व्यवस्था :-

निर्वाचन आयोग के
सदस्यों के लिए वेतन व्यवस्था कुछ व
संलग्न संहिताएं करती रहती है।

पृष्ठ के अंक का योग

19

+

=

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 19 के अंक

कुल अंक



6 अन्य कार्यों की नियुक्ति :-

राष्ट्रपति निर्वाचन आयोग की सिफारिश पर कार्य की सुविधा के लिये अन्य कार्यों की नियुक्ति करता है। जो निर्वाचन आयोग के अधीन कार्य करता है।

उत्तर 7 (1)

समानता का सामान्य अर्थ है कि प्रत्येक व्यक्ति को बिना किसी भेदभाव के अपने नैतिक विकास करने के समान अवसर प्राप्त हो। विशेष सुविधाओं का अंत हो।

उत्तर 8 (2)

उदारवाद की दो विशेषताएँ निम्न हैं -

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

20



योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 20 के अंक

=



कुल अंक



(1) मानवीय विवेक में भास्था →

उदारवादी की विशेषता है कि ये मानवीय विवेक में भास्था रखते हैं। मानवीय विवेक का विकास चाहते हैं।

B
S
E
M
P

(2) धर्मनिरपेक्ष राज्य में भास्था →

उदारवादी का उल्थान धर्म के निंदक शासन के विरुद्ध हुआ था। उन्होंने उदारवादी धर्मनिरपेक्ष राज्य को भास्था रखते हैं।

उत्तर (3)

कानून की परिभाषा →

जॉन मॉरिसन → "कानून सम्प्रदाय की भाषा है।"

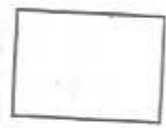
पृष्ठ 2

पृष्ठ के अंकों का योग

(21)



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 21 के अंक

कुल अंक



उत्तर 4

समाजवाद →

समाजवाद का सरल अर्थ है कि समाजवाद का उद्देश्य उत्पादन के साधनों पर (आर्थिक एवं मौलिक) को संगठित करना एवं मानव साधनों द्वारा उन पर अधिकार जमाना।

उत्तर 5

लोक कल्याणकारी राज्य :-

लोक कल्याणकारी राज्य की धारणा ऐसे राज्य से है जिसमें शासन की शक्तियों का प्रयोग किसी विशेष समुदाय के हितों के लिए नहीं बल्कि उच्च उपयोग समस्त समुदाय के हितों किया जाये।

जो राज्य बितने अधिक उर्वर करता है वह उतना ही लोक कल्याणकारी राज्य माना जाता है।

B
S
E
M
P

2
3
M
P

22

प्र

+

=

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 22 के अंक

कुल अंक



उत्तर 7 (6)

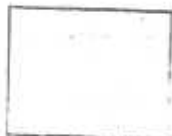
जब किसी राज्य के समस्त व्यस्क नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के उसकी व्यस्कता के आधार पर मत देने का अधिकार होता है तो उसे 'व्यस्क मतदाताधिकार' कहते हैं।

व्यस्कता से मी है वह एक निश्चित आयु पूरी कर ले।

उत्तर 7 (7)

हित समूह ऐसे व्यक्तियों का संगठित समूह होता है जो अपने किसी विशेष कार्यक्रम से राजनैतिक दलों को प्रभावित नहीं करते, वह केवल अपने कुछ विशिष्ट हितों की रक्षा के लिये शासन पर दबाव डालते हैं।

B
S
E
M
P



पृष्ठ 2

(23)



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 23 के अंक

कुल अंक

उत्तर 7 (8)

मानव अधिकार दिवस 10 दिसम्बर को मनाया जाता है।

उत्तर 7 (9)अलगवावाद :-

अलगवावाद एक संकीर्ण विचारधारा है जो राष्ट्र को विघटित करती है। इसके अंतर्गत कहीं समुदाय विशेष के द्वारा राष्ट्र से अलग क्षेत्र की मांग करते हैं। इसे अलगवावाद कहते हैं।

24

53

+

=

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 24 के अंक

कुल अंक



उत्तर 3 (10)

भारत की अखिरवेसता का अर्थ है कि जिस किसी भी गुट में शामिल न होना और महाशक्तियों से कोई सैनिक समझौता नहीं करना।

भारत ने किसी भी गुट में शामिल न होकर निम्न मार्ग अपनाया -

(1) स्वतंत्र विदेश नीति।

(2) राष्ट्र संघ में भाग।

उत्तर 3 (11)

धार्मिक स्वतंत्रता →

है कि जिस किसी भेदभाव के स्वतंत्रता पूर्वक अपने धर्म विशेष में मान्यता रखता।

य पूर्ण रूप से धर्म के मामले में स्वतंत्र रहता है। और राज्य की ओर से कोई हस्तक्षेप नहीं किया जाता।

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंक का योग

पृष्ठ

59

योग पूर्व पृष्ठ

+

पृष्ठ 2 के अंक

=

कुल अंक

विदेश नीति को अपनाते और अंतर्राष्ट्रीय घटना पर अपना मत, समर्थन एवं विरोध व्यक्त कर सके यही राष्ट्रीय स्वतंत्रता होती है।

इसके अंतर्गत राष्ट्र को चिन्तन—

- ① स्वतंत्र विदेश नीति ।
- ② अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं पर विचार व्यक्त करना ।

B
S
E
M
P

उत्तर ३ (13)

लोककल्याणकारी राज्य की तीन विशेषताएँ—

- ① सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्था—

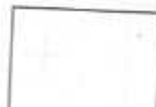
राज्य की यह भी विशेषता है कि इसने सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्था की गयी हो प्रत्येक व्यक्ति को अपने व्यक्तित्व के विकास की

पृष्ठ 2 के अंक का योग

पृष्ठ



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 3 के अंक

कुल अंक

स्वतंत्रता है

(2) राजनैतिक सुरक्षा :-

लोक कल्याणकारी राज्य में राजनैतिक सुरक्षा की व्यवस्था होती है। क्वेक नागरिक अपनी योग्यता के अनुसार पद ग्रहण करने की स्वतंत्रता होती है।

(3) राष्ट्रीय सुरक्षा :-

लोक कल्याणकारी राज्य में राष्ट्रीय सुरक्षा पर जोर दिया जाता है। क्योंकि राष्ट्रीय सुरक्षा से होने पर भी विकास संभव है। राष्ट्रीय सुरक्षा की व्यवस्था है।

B
S
E
M
P



पृष्ठ के अंक का योग

62

योग पूर्व पृष्ठ

+

पृष्ठ 4 के अंक

=

कुल अंक

अंतर (14)

राजनैतिक दलों के कार्य :-

(1) दल की स्थिति सुदृढ़ करना :-

राजनैतिक दल अपने की स्थिति को दृढ़ करने का प्रयास करते हैं। दल को दृढ़ करने के लिये विभिन्न कार्य करते हैं।

B
S
E
M
P

(2) अपने पक्ष में जनमत तैयार करना :-

राजनैतिक दल अपने पक्ष में जनमत तैयार करते हैं। अपने विभिन्न कार्यो से वह अपने पक्ष में जनमत निर्माण करते हैं।



संस्कृत विभाग का लोगो

(3) दल की सदस्य संख्या में वृद्धि :-

राजनैतिक दल सदस्य संख्या बढ़ाने का प्रयत्न करते हैं। दल को

007

केन्द्र की सील

माध्यमिक शिक्षा, मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

पृष्ठ सं. 4 पृष्ठ



परीक्षक के लिये

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

2. पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर व दिनांक

3. केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर की सील

4. केन्द्र क्रमांक

कोड नं. 242012

6. परीक्षा का नाम

7. विषय

8. माध्यम

8. दिनांक

पृष्ठ

उत्तर पुस्तिका का
सरल क्रमांक

860174

1. परीक्षार्थी का रोल नम्बर (अंग्रेजी अंकों में)

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

2. रोल नम्बर शब्दों में

सुझाव करने का प्रयास करते हैं। सफल सफल
बढ़ाने का प्रयास करते हैं।

B
S
E
M
Pउत्तर 7 (15)

भारत में मानव अधिकार की स्थिति को
सुझाव करने के लिये विभिन्न प्रयास किये जा
रहे हैं।

भारत में समय-समय पर नागरिकों
को उनके विकास के लिये विभिन्न योजनाएँ
चलाई जा रही हैं।

(1) भारत में जब भी किसी क्षेत्र में मानव अधिकारों
का हनन हुआ तो राष्ट्रीय मानव अधिकार
आयोग ने उसे उसको अधिकार को प्रदान
करने का प्रयास किया।

पृष्ठ सं. अंकों का योग

(1) भारत में स्त्री-शोषण, बेगारी प्रथा, स्त्री शोष का अंत कर दिया है।

(2) किसानों के अधिकारों को रखने के लिये, सजा के अधिकारों की रक्षा के लिये विभिन्न कानून बनाये गये हैं।

B
S
E
M
P

(3) भारत में मानव को अपने अधिकार के विनाश के लिये उच्च मानवीय परिस्थिति उपलब्ध करायी जा रही है।

निष्कर्ष :-

अतः भारत में मानव अधिकार आयोग के द्वारा मानवों के अधिकारों की रक्षा के लिये अनेक कार्य चल रहे पर अभी भी बहुत कुछ करना आवश्यक है।

उत्तर (16)

भारतीय लोकतंत्र की तीन समस्याएँ इस प्रकार हैं :-



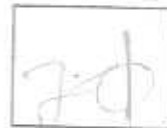
योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 3 के अंक

=



कुल अंक

(1)

साम्प्रदायवाद :-

साम्प्रदायवाद भारतीय लोकतंत्र के समक्ष एक अटल समस्या है। देश में अनेक साम्प्रदाय हो गये हैं। जो राष्ट्रीय एकता व अखण्डता के लिये खतरा है।

(2)

अलगवावाद :-

अलगवावाद भी भारतीय लोकतंत्र के समक्ष एक भयंकर अटल समस्या है। इससे पक्षीभूत होकर लोग राष्ट्रीय धारा से अलग रहने लगते हैं। यह राष्ट्र की एकता को खतरा है।

(3)

आर्थिक विषमता व हिंसा :-

भारतीय लोकतंत्र में आर्थिक विषमता है। वहीं लोग भूमीर हैं तो वहीं पर गरीब हैं। जिससे राष्ट्र का विकास नहीं हो पाता। हिंसा भी एक गंभीर समस्या है।

70

योग पूर्व पृष्ठ

+

पृष्ठ 4 के अंक

=

कुल अंक

उत्तर 3 (17)

भारत - श्रीलंका के मध्य मतभेद के कारण -

(1) समुद्री सीमा संबंधी विवाद :-

के मध्य मतभेद का कारण है कि यहाँ पर प्राकृतिक सीमा नहीं है। जिससे कई कार मुक्त हो नौका आ जाती है।

B
S
E
M
P

(2) हिन्द महासागर के अधिकार पर विवाद :-

मतभेद का यह भी एक जिम्मेदार कारण है जिस दोनों के मध्य मतभेद का रहता है सहयोग का विकास नहीं होता।

(3) भारतीय मूल के लोगों को नागरिकता संबंधी मतभेद -

यह प्रमुख कारण है जिसके दोनों देशों के मध्य आपसी संबंध स्थापित नहीं हो पाता है।

C.No.240021

पूरक उ.पु. 4 पृष्ठ

2007

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

परीक्षक के लिये

केंद्र की सील

प्रश्नपत्र के हस्ताक्षर व दिनांक

केंद्राध्यक्ष के हस्ताक्षर की सील

केंद्र क्रमांक

फ़ोड नं. 242012

परीक्षा का नाम

विषय

8. माध्यम

3. दिनांक

पृष्ठ



उत्तर - (18) (अथवा)

सुरक्षा परिषद के तीन कार्य निम्न हैं -

नियुक्ति संबंधी कार्य ->

महासभा संघ के विभिन्न
कार्यकारियों की नियुक्ति करता है। महासभा
अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के न्यायाधीशों, कार्यिष्ठ व
सामाजिक परिषद, सचिव आदि की नियुक्ति करता है।

(६) निर्वाचन संबंधी कार्य ->

महासभा राष्ट्र संघ के
शामिल होने वाले राष्ट्रों का निर्वाचन करती है।

B
S
E
M
P

= पृष्ठ

73

योग पूर्व पृष्ठ

+

7

पृष्ठ 2 के अंक

=

80

कुल अंक

महाराष्ट्र राज्य संघ में शामिल होने वाले राज्यों
योग्यता व असयोग्यता का निर्धारण करती थी

(3) चार्टर के संशोधन में :-

महाराष्ट्र चार्टर के संशोधन में भाग लेती थी। चार्टर के संशोधन में भाग
लेकर विप्रावर्धनक काव्यो को निरस्त करने
कार्य करती थी

उत्तर 5 (19)

संयुक्त राज्य संघ में भारत के चार योगदान :-

(1) चार्टर निर्माण में →

भारत ने संयुक्त राज्य संघ के
चार्टर निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
चार्टर निर्माण में भारत का महत्वपूर्ण योगदान
रहा।

B
S
E
M
P

पृष्ठ

पृष्ठ के अंकों का योग

पृष्ठ



योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 3 के अंक

=



कुल अंक

80

② संघ के सदस्य राष्ट्रों की संख्या बढ़ाने में →

भारत ने संघ के सदस्य राष्ट्रों की संख्या बढ़ाने का महत्वपूर्ण कार्य किया। भारत ने राष्ट्रों की संख्या बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

B
S
E
M
P

③ संघ के शान्ति प्रयासों में योगदान : →

भारत ने संघ के शान्ति कार्य क्रमों में महत्वपूर्ण कार्य किया। भारत ने आंगों की समस्या हल करके सहायीय कार्य किया। यह भारत का महत्वपूर्ण योगदान है।

④ गुटनिरपेक्षता आंदोलन को बढ़ाने में योगदान →

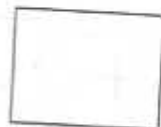
भारत ने गुटनिरपेक्षता की नीति का समर्थन किया। भारत ने इस महत्वपूर्ण आंदोलन को प्रभावी बनाने व अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में इसे विशिष्ट स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

पृष्ठ के अंकों का योग

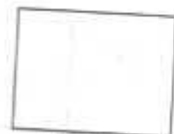
पृष्ठ



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 4 के अंक

कुल अंक

उत्तर ३ (20)

पत्यक्ष मतदान प्रणाली के चार गुण :-

(1) भ्रष्टाचार में कमी :-

पत्यक्ष निर्वाचन प्रणाली का वडा गुण ये है कि इसमें भ्रष्टाचार की संभावना कम होती है। प्रति निधि जनता के प्रति उत्तरदायित्व होते हैं। पत्यक्ष निम्न मतदान की ये गुण है।

(2) जनता में राजनैतिक जागरूकता :-

पत्यक्ष निर्वाचन प्रणाली में जनता में राजनैतिक जागरूकता होती है। जनता को अपने मत का उचित प्रयोग करने की शिक्षा होती है। जनता जागरूक होती है। पत्यक्ष निर्वाचन में जनता व सरकार के बीच सहभागिता का विकास होता है।



४० से अधिक का योग

B
S
E
M
P

2007

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

पूरक उ.पु. 4 पृष्ठ

1. केन्द्र की सील

2. पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर व दिनांक

3. केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर की सील

4. केन्द्र क्रमांक

C.No.24002

6. परीक्षा का नाम

7. विषय

8. माध्यम

8. दिनांक

पृष्ठ



परीक्षक के लिये

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

उत्तर पुस्तिका का
सरल क्रमांक

860614

1. परीक्षार्थी का रोल नम्बर (अंग्रेजी अकों में)

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

2. रोल नम्बर शब्दों में

B
S
E
M
P

④ 'परिविधियों में' उत्तरदायित्व की भावना का विकास →

प्रत्यक्ष मतदान में जनता
सुनने वाले परिविधि को चुनते हैं। इसलिये
परिविधि जनता के प्रति उत्तरदायी होते हैं।
उनके मतों का सम्मान करते हैं।

⑤ परिविधि (सरकार) व जनता के बीच सद्भावना →

प्रत्यक्ष मतदान प्रणाली में सरकार
व जनता के बीच सद्भावना का विकास
होता है। जनता व सरकार में परस्पर
सम्पर्क रहता है।

पृष्ठ के अंकों का योग

पृष्ठ

+

=

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 4 के अंक

कुल अंक

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग